|| माँ विन्ध्येश्वरी की आरती ||

सुन मेरी देवी पर्वतवासिनी |

कोई तेरा पार ना पाया ||

पान सुपारी ध्वजा नारियल |

ले तेरी भेंट चढाया ||

सुन मेरी देवी पर्वतवासिनी .....

सुवा चोली तेरी अंग विराजे |

केसर तिलक लगाया ||

सुन मेरी देवी पर्वतवासिनी.....

नंगे पग मां अकबर आया |

सोने का छत्र चढाया ||

सुन मेरी देवी पर्वतवासिनी .....

ऊंचे पर्वत बनयो देवालाया |

निचे शहर बसाया ||

सुन मेरी देवी पर्वतवासिनी .....

सत्युग, द्वापर, त्रेता मध्ये |

कलियुग राज सवाया ||

सुन मेरी देवी पर्वतवासिनी .....

धूप दीप नैवैध्य आरती |

मोहन भोग लगाया ||

सुन मेरी देवी पर्वतवासिनी .....

ध्यानू भगत मैया तेरे गुन गाया |

मनवांछित फल पाया ||

सुन मेरी देवी पर्वतवासिनी .....

https://www.aartichalisa.com/maa-vindhyeshwari-ki-aarti/